श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, इसके इंचार्ज मंत्री यहां बैठे हुए हैं। सर, सुरेश पचौरी जी ....(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I cannot tell the Minister to respond here. He can do it on his own. ...*(Interruptions)*... You have brought it to the notice of the House. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: Sir, main witness is there, but they are simply saying that witness is not traceable. ...*(Interruptions)*... It is unfortunate. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You have brought to the notice of the House that some new evidence has come, that is sufficient. ...*(Interruptions)*...

SHRI S.S. AHLUWALIA: He appeared on the electronic media. ...*(Interruptions)*...

श्री रवि शंकर प्रसाद :सर, तीन हजार लोग मारे गए हैं। प्रधान मंत्री का आश्वासन हैं ....(**व्यवधान**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Electronic media comes out with so many things. Every thing cannot be right. ...*(Interruptions)*...

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Sir, Shri Suresh Pachouri is there. ...*(Interruptions)*...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : आपके प्रधान मंत्री जी का आश्वासन इस सदन में, क्या वह मिथ्या हैं?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Prasad, you have brought it to the notice of the House. I cannot ask the Minister to respond. It is his prerogative.

श्री एस.एस. अहलुवालिया : वह बेकार हैं? प्रधान मंत्री जी का आश्वासन इस सदन में बेकार हैं? ....(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति : ठीक हैं, ठीक हैं ... आप बैठिए। ....(**व्यवधान**)... अली अनवर जी, बोलिए। ....(**व्यवधान**)... अली अनवर जी, मैं आपको बता देता हूं

You have been allowed as a special case. Each Member will be allowed only one zero hour mention. Once in a week. This is your second mention. It has been admitted. I am just informing you.

Demand for discussion on reports of the Sachchar Committee and Rangnath Commission

श्री अली अनवर (बिहार) **:** महोदय, एक साल हो रहा हैं सच्चर कमेटी की रिपोर्ट सदन में पेश हुआ। अगर यह हाउस independent हैं,इसकी separate identity हैं,तो यहां उस पर बहस होनी चाहिए। एजेंडा पर आकार भी उस पर बहस नहीं हुई। सुन रहे हैं कि 3 तारीख से यह सेशन भी खत्म हो रहा हैं, 7 तारीख तक शेडयूल्ड हैं, अगर जरूरत पड़े, तो इसे आगे बढ़ाकर इस पर बहस होनी चाहिए। दूसरी बात मैं कहना चाहता हूं कि रंगनाथ मिश्रा कमीशन जो इन्क्वायरी ऑफ कमीशन एक्ट के तहत गठित हुआ 9 महीने से ज्यादा हो गए है उसकी रिपोर्ट प्राइम मिनिस्टर साहब के यहां सुपुर्द कर दी गयी हैं। महोदय, 9 महीने में तो बच्चा भी पैदा हो जाता हैं। आप आदेश कीजिए, नही तो जच्चा-बच्चा दोनों की जान पर खतरा हैं। ....(**व्यवधान**)... महोदय, यह हंसने की बात नहीं हैं। दलित मुसलमानों और दलित इसाइयों के लिए मजहब की पाबंदी हटाने की बात हैं। हर मजहब में दलित हैं और उनको दलित का दर्जा का दर्जा और सहूंलियत मिलनी चाहिए। यह रिकमेंडेशन सच्चर कमेटी और रंगनाथ मिश्रा कमीशन की हैं। महोदय, अंतुले साहब ने पिछले सत्र में जो फालोअप एक्शन रिपोर्ट रखी, उसमें क्या हैं, उसमें नथिंग कंक्रीट, नंथिग टाइम bound उसमें कुछ भी नहीं हैं। ऐसा लगता हैं कि वह किसी पार्टी का इलेक्शन मेनिफेस्टो है। इसलिए महोदय, उस पर बहस कराने की जरूरत हैं। सच्चर कमेटी और रंगनाथ मिश्रा कमीशन, दोनों ने जो मुसलमान एक बहुत बड़ी ....(**व्यवधान**)... एक तरफ तो कुछ लोग कहते हैं कि मुसलमानों को यह सच्चतर कमेटी दे दी और दूसरी तरफ कुछ लोग यह कहते हैं कि मुसलमानों का अपीसमेंट हो रहा हैं। यहां उनकी एक छदाम तक से भी भेंट नहीं हुई ....(समय की घंटी) ... किन्तु उन्हें कुछ नहीं मिला। इसलिए इस हाउस में इन दोनों को मिलाकर इस पर बहस होनी चाहिए। सरकार अगर बहस नहीं करती हैं तो आप जिस कुर्सी पर हैं, आप निर्देशित कीजिए और इसी चलते सत्र में प्राइम मिनिस्टर हाई पॉवर कमेटी, सच्चर कमेटी और रंगनाथ मिश्रा कमीशन

दोनों पर हर हाउस में विचार हो यही हमारी गुजारिश है। ....(**व्यवधान**)...

श्री अमर सिंह (उत्तर प्रदेश) : महोदय मैं स्वयं को इससे संबद्व करता हूं। यह बहुत गंभीर मामला हैं। ....(**व्यवधान**)...

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्व करती हूं।

श्री अबू आसिम आजमी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्व करता हूं।

شری ابو عاصم اعظمی "اتر پردیش": مہودے، میں مانئے سدسئے سے خود کو سمبدھ کرتا ہوں۔

श्री उपसभापति : केवल असोसिएट कीजिए। ....(**व्यवधान**)...

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं संबद्व करता हूं।

شری شاہد صدیقی "اتر پردیش": مہودے، میں مانئے سدسئے سے خود کو سمبدھ کرتا ہوں۔

डा. (श्रीमती) नजमा ए.हेपतुल्ला (राजस्थान) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्व करती हूं।

श्री कलराज मिश्र (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्व करता हूं।

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारंखड) : मैं अपने आपको इससे संबद्व करता हूं किन्तु उसके साथ-साथ मांग भी करता हूं कि रंगनाथ मिश्रा कमेटी की रिपोर्ट पहले सांसदों को उपलब्ध करायी जाए। अभी तक वह रिपोर्ट उपलब्ध नही हैं। न ही वह रिपोर्ट वेबसाइट पर उपलब्ध हैं और न उसको सर्कुलेट किया गया हैं। उस रिपोर्ट को पहले सासंदो को उपलब्ध कराया जाए। ....(**व्यवधान**)...

SHRI SHAHID SIDDIQUI: Sir, we want protection from you. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It has already been identified as an item. ...*(Interruptions)*... The time has been fixed by the BAC ...*(Interruptions)*...

श्री अमर सिंह : अंतुले साहब ने क्या कहा था? अंतुले साहब ने कहा था, टाइम बाउंड नहीं हैं। ....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : रंगनाथ मिश्रा कमेटी की रिपोर्ट अभी तक सांसदों को उपलब्ध नहीं हैं। वह उपलब्ध करायी जाए।

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुरेश पचौरी) : आदरणीय उपसभापति महोदय, जैसा कि आपने स्वयं ने पीठासीन होते हुए यह इंगित किया है कि सच्चर कमेटी. की रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए यह विषय चर्चा में आया हैं। यघपि चेयरमैन साहब के चेम्बर या बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में जो चर्चा होती हैं, उसका उल्लेख यहां नहीं होता हैं। फिर भी मैं सरकार की ओर से इस बात को स्पष्ट रूप से कहना चाहता हूं कि सरकार सच्चर कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। जो भी समय आप नियम और प्रक्रिया के अनुसार तय करेंगे, सरकार उस पर चर्चा कराने के लिए तैयार हैं।

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार) : सर, आप हमारे विषय पर भी कुछ बोल देते। आप तो सीबीआई के भी मंत्री हैं, इसलिए उस पर भी कुछ बोल देते।MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Shrimati Supriya Sule.

UNESCO Report on Education

SHRIMATI SUPRIYA SULE (Maharashtra): Sir, through you, I would like to bring to the notice of the House the Education for All Global Monitoring Report, 2007. The report is

†Transliteration of Urdu Script.